ICSE Examination Paper-2024

Hindi

(Second Language)

(Solved)

Class-10th

Maximum Marks: 80

Time allowed: Three hours

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.

You will not be allowed to write during the first 15 minutes.

This time is to be spent in reading the question paper.

The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers.

***Section A** is compulsory - **All** questions in **Section A** must be answered.*
*Attempt **any four** questions from **Section: B**, answering at least **one** question each from the two books you have studied and **any two** questions from the same books you have studied.*
The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION-A (40 Marks)

Attempt all questions from this Section.

Question 1

Write a short composition in **Hindi** of approximately **250** words on any **one** of the following topics:— **[15]**

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग **250** शब्दों में संक्षिप्त हिन्दी लेख लिखिए:—

(i) कुछ समय पहले किसी अवकाश के समय आप सपरिवार किसी पहाड़ी स्थान पर घूमने गए, दुर्भाग्यवश पर्यटकों की भीड़ के कारण आपको बहुत-सी विकट समस्याओं का सामना करना पड़ा। अपने इस अनुभव का वर्णन प्रस्ताव के रूप में लिखिए ।

(ii) तकनीकी विकास ने हमारा जीवन सरल तथा सुगम बना दिया है। किसी एक तकनीक के विषय में विस्तार से बताते हुए यह भी स्पष्ट कीजिए कि यह तकनीक हमारे देश के विकास में सहयोगी कैसे है?

(iii) आज महानगरों में बड़े-बड़े 'शॉपिंग मॉल' स्थान-स्थान पर दिखाई देते हैं। इतने 'शॉपिंग मॉल' बनने के कारणों पर प्रकाश डालते हुए एक प्रस्ताव लिखिए कि जब आप अपने परिवार के साथ किसी मॉल में घूमने गए तो आप को वहाँ किन-किन चीज़ों ने सबसे अधिक आकर्षित किया तथा वहाँ आपने क्या-क्या खरीदा?

(iv) आपने वहाँ की स्थिति देखी और आपके मुँह से निकला अरे! ऐसा भी होता है क्या? इस वाक्य से आरम्भ अथवा अन्त करते हुए एक मौलिक कहानी लिखिए।

(v) नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर उसका परिचय देते हुए, कोई लेख, घटना अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट सम्बन्ध चित्र से होना चाहिए।

Question 2

Write a letter in **Hindi** of approximately **120** words on any **one** of the topics given below:— **[7]**

निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर हिन्दी में लगभग **120** शब्दों में पत्र लिखिए:—

(i) आपके एक मित्र ने हाल ही में किसी नए विद्यालय में प्रवेश लिया है लेकिन वहाँ के कुछ पुराने विद्यार्थी उसे परेशान कर रहे हैं। इस स्थिति का हिम्मतपूर्वक सामना करने की सलाह देते हुए अपने इस मित्र को एक पत्र लिखिए।

(ii) आप गाँव में स्थित किसी विद्यालय में गए वहाँ की बुरी स्थिति देखकर उसके सुधार हेतु शिक्षा मंत्री को पत्र लिखिए।

Question 3

Read the passage given below and answer in **Hindi** the questions that follow, using your own words as far as possible:—

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और उस के नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए:—

दक्षिण पूर्वी एशिया के दो छोटे किन्तु महत्त्वपूर्ण देश हैं- कंबोडिया और लाओस। कई वर्ष पहले की बात है इन दोनों देशों में पहले अच्छी मित्रता हुआ करती थी लेकिन अब ये दो पड़ोसी देश आपस में युद्ध करने की तैयारी कर रहे थे। झगड़ा दोनों देशों में बहने वाली एक नदी को लेकर था। नदी का नाम था 'मीकांग' जो लाओस से निकलकर कंबोडिया में बहती थी। दोनों देशों के लिए यह नदी बहुत महत्त्वपूर्ण थी। साथ ही दोनों देशवासी उसे पूजते भी थे। नदी के पानी की सिंचाई से दोनों देशों के खेत हरे-भरे रहते थे। दोनों देश मीकांग को जीवनदायिनी समझते थे दोनों का उस पर दावा था। इस मामले को लेकर स्थिति इतनी बिगड़ गई कि एक बार वे एक-दूसरे के देश पर हमला करने को तैयार हो गए और अपनी-अपनी सेनाएँ लेकर आमने-सामने खड़े हो गए।

अचानक महात्मा बुद्ध वहाँ युद्ध भूमि में पहुँच गए। उन्होंने युद्ध के लिए तैयार देशों की विशाल सेनाएँ देखीं। महात्मा बुद्ध को इस प्रकार वहाँ अचानक देखकर दोनों की सेनाओं में खलबली मच गई। बुद्ध ने दोनों देशों के राजाओं, मंत्रियों तथा अन्य अधिकारियों को अपने पास बुलाया। दोनों सेनाओं के बीच खड़े हो कर उन्होंने उन सभी से प्रश्न किया कि वे लोग आपस में क्यों युद्ध करने जा रहे हैं? बुद्ध को दोनों सेनाओं से यही जवाब मिला कि उनके जीवन की आधार 'मीकांग' नदी के जल के लिए यह युद्ध होने जा रहा है। बुद्ध ने पुन: प्रश्न किया कि नदी के जल और मानव के रक्त दोनों में से कौन अधिक मूल्यवान है। एक

स्वर में दोनों ओर से जवाब मिला कि मानव का रक्त निस्संदेह नदी के जल से अधिक मूल्यवान है। भगवान बुद्ध ने दोनों पक्षों को समझाते हुए कहा कि शायद दोनों देशों की आपसी ईर्ष्या के कारण स्थिति इतनी बिगड़ गई थी कि उन्हें लगने लगा था कि इस नदी के जल को बाँटने की समस्या का हल केवल युद्ध से हो सकता है। बुद्ध ने उन्हें समझाया कि समस्याओं का हल युद्ध के द्वारा निकालना संभव नहीं है। महात्मा बुद्ध की बातों को सुनकर दोनों सेनाओं में शांति छा गई और दोनों पक्षों के लोग सोच में पड़ गए महात्मा बुद्ध के सुझाव के अनुसार उन दोनों देशों ने मिल कर एक शांति सभा बनाई। उस शांति सभा ने दोनों देशों के दावे को ध्यान से सुना। उन्होंने दोनों देशों में जाकर असली स्थिति को अपनी आँखों से खुद देखा और समझा कि यह नदी तो इन दोनों के लिए ही समान महत्त्व रखती है। फिर इसके लिए विवाद कैसा? इसी विषय पर खूब सोच-विचार करने के बाद, अंत में उस सभा ने एक दिन ऐसा निर्णय दिया कि दोनों देश मान गए। आखिरकार उन के बीच होने वाला युद्ध टल गया और दोनों देशों में फिर से मित्रता हो गई। इसलिए कहते हैं कि मनुष्य का विवेक और समझ एक ऐसी शक्ति होती है, जिसके द्वारा मानव हिंसात्मक और सर्वनाशकारी युद्धों तक को रोक सकता है और शांति के साथ प्रेमपूर्वक जीवन बिता सकता है तथा दूसरों के लिए प्रेरणा भी बन सकता है।

(i) कंबोडिया और लाओस कहाँ स्थित हैं और पहले इन दोनों देशों के आपसी सम्बन्ध कैसे थे? **[2]**

(ii) कौन-सी नदी इन दोनों देशों के लिए बहुत महत्त्वपूर्ण थी और क्यों? **[2]**

(iii) एक दिन अचानक महात्मा बुद्ध कहाँ पहुँच गए थे? वहाँ जाकर उन्होंने अपने पास किसे और क्यों बुलाया? **[2]**

(iv) अंत में कंबोडिया और लाओस के बीच की समस्या को किस प्रकार सुलझाया गया? **[2]**

(v) इस कहानी से मिलने वाली उन शिक्षाओं को लिखिए जो आज के समय में भी विश्व में शांति बनाए रखने में काम आ सकती हैं। **[2]**

Question 4

Answer the following according to the instructions given below:— **[8]**

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए:—

(i) 'आहार' का विलोम बताइए:—
(a) शाकाहार **(b)** निराहार
(c) माँसाहार **(d)** उपहार

(ii) 'दिन' का उचित पर्यायवाची शब्द बताइए:—
(a) निशि - वासर **(b)** दिवा - देव
(c) दिवस - वार **(d)** रजनी - रमणी

(iii) 'कमाना' की भाववाचक संज्ञा बताइए:—
(a) कम **(b)** कमी
(c) कमाऊ **(d)** कमाई

(iv) 'पत्थर' का विशेषण बताइए:—
(a) पथरी **(b)** पाथरी
(c) पत्थरशिला **(d)** पथरीला

(v) 'पतीवरता' शब्द का शुद्ध रूप बताइए:—
(a) पतीव्रता **(b)** पतिव्रता
(c) पतिवर्ता **(d)** प्रतिव्रता

(vi) 'उन्नीस बीस का अन्तर' मुहावरे का अर्थ बताइए:—
(a) अत्यधिक अन्तर होना **(b)** गिनती का अन्तर होना
(c) एक समान होना **(d)** बहुत कम अन्तर होना

(vii) निर्देशानुसार उचित वाक्य बताइए:—
कई बार देश की रक्षा से जुड़े फैसलों को गुप्त रखा जाना आवश्यक होता है।
(रेखांकित वाक्यांश हेतु उपयुक्त शब्द का प्रयोग किस विकल्प में हुआ है?)
(a) कई बार देश की रक्षा से जुड़े फैसले रहस्यमयी होते हैं।
(b) कई बार देश की रक्षा से जुड़े फैसले गुप्तचर होते हैं।
(c) कई बार देश की रक्षा से जुड़े फैसले गोपनीय होते हैं।
(d) कई बार देश की रक्षा से जुड़े फैसले अल्पचर्चित होते हैं ।

(viii) निर्देशानुसार उचित वाक्य बताइए:—
रोगी की दिशा ठीक नहीं है।
(रेखांकित शब्द के स्थान पर उचित शब्द का प्रयोग कीजिए।)
(a) रोग **(b)** दशा
(c) दया **(d)** बीमारी

SECTION-B (40 Marks)

Questions from only two textbooks are to be answered. Attempt four questions from this section. You must answer at least one question from each of the two books you have studied and any two other questions from the same books that you have chosen.

साहित्य सागर - संक्षिप्त कहानियाँ
SAHITYA SAGAR - SHORT STORIES

Question 5

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow:—
निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए:—

'चुपचाप बैठे तंग हो रहा था, कुढ़ रहा था कि मित्र अचानक बोले - ''देखो वह क्या है?'' मैंने देखा कि कोहरे की सफ़ेदी में कुछ ही हाथ दूर से एक काली - सी मूर्ति हमारी तरफ़ आ रही थी, मैंने कहा - "होगा कोई।"

अपना-अपना भाग्य-श्री जैनेंद्र कुमार

(i) 'मैंने' शब्द से किसकी ओर संकेत किया गया है? वह इस समय किस स्थान पर है? **[2]**

(ii) 'काली - सी मूर्ति' किसकी थी? लेखक ने उसकी दशा का वर्णन किस प्रकार किया है? **[2]**

(iii) बालक कहाँ का रहनेवाला था? उसने अपने तथा अपने परिवार के विषय में क्या जानकारी दी? **[3]**

(iv) प्रस्तुत कहानी मनुष्य की संवेदनहीनता का यथार्थ चित्रण प्रस्तुत करती है -कहानी का उदाहरण देकर इस कथन को सिद्ध कीजिए। **[3]**

Question 6

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow:—
निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए:—

बेनी माधव सिंह पुराने आदमी थे। इन भावों को ताड़ गए। उन्होंने निश्चय किया कि चाहे कुछ भी क्यों न हो, इन द्वेषियों को ताली बजाने का अवसर न दूँगा। तुरंत कोमल शब्दों में बोले "बेटा, मैं तुम से बाहर नहीं हूँ। तुम्हारा जो जी चाहे करो, अब तो लड़के से अपराध हो गया।"

बड़े घर की बेटी - प्रेमचंद

(i) कथन के वक्ता एवं श्रोता का परिचय दीजिए। **[2]**

(ii) 'इन भावों को ताड़ गए' कथन किस संदर्भ में कहा गया है? श्रोता ने उसे क्यों नहीं समझा था? स्पष्ट कीजिए। **[2]**

(iii) किस लड़के से, कौन-सा अपराध हो गया था और क्यों? समझाकर लिखिए। **[3]**

(iv) क्या श्रोता ने अपराध के लिए माफ़ किया? श्रोता का हृदय परिवर्तन कराने में कौन, किस प्रकार सहायक था? **[3]**

Question 7

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow:—
निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखें प्रश्नों के उत्तर **हिंदी** में लिखिए:—

वह भी अच्छी तरह से किस-किस को देखे। "आज कल तो ऐसा लगता है, मानो पूरा शहर ही अस्पताल में उमड़ आया है। समझ में नहीं आता, ऐसी भीड़ क्यों है ?"

भीड़ में खोया आदमी - लीलाधर शर्मा पर्वतीय

(i) प्रस्तुत पंक्तियाँ किस संदर्भ में कही गई हैं ? **[2]**

(ii) श्रोता कहाँ गया था और क्यों ? **[2]**

(iii) पाठ में वर्णित भीड़ का क्या कारण है ? इस भीड़ का क्या परिणाम सहना पड़ रहा है ? **[3]**

(iv) इस भीड़ से कैसे बचा जा सकता है ? लेखक अपने मित्र को भीड़ का रहस्य क्यों समझाना नहीं चाहते हैं ? उदाहरण सहित बताइए। **[3]**

साहित्य सागर - पद्य भाग
SAHITYA SAGAR – PADYA BHAG

Question 8

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow:—

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए:—

क्या राह में परिचय कहूँ, राही हमारा नाम है।
चलना हमारा काम है।
जीवन अपूर्ण लिए हुए, पाता कभी, खोता कभी,
आशा-निराशा से घिरा, हँसता कभी, रोता कभी।
गति मति न हो अवरुद्ध, इसका ध्यान आठों याम है।

चलना हमारा काम है—शिवमंगल सिंह सुमन

(i) 'राही' किसे कहा गया है और क्यों ? **[2]**

(ii) कवि के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति को जीवन में किस-किस प्रकार के अनुभवों का सामना करना पड़ता है ? **[2]**

(iii) 'आठों याम' से कवि का क्या अभिप्राय है ? इस समय में कवि प्रभु से क्या प्रार्थना करते हैं और क्यों ? **[3]**

(iv) जीवन में निरंतर चलते रहना क्यों आवश्यक है ? यदि मनुष्य के दिल में लगातार चलने की चाह ही नहीं रहे तो इस के क्या- क्या दुष्परिणाम हो सकते हैं ? कविता के आधार पर बताइए। **[3]**

Question 9

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow:—

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए:—

ऐसो को उदार जग माही।
बिनु सेवा जो द्रवै दीन पर राम सरिस कोउ नाही।
जो गति जोग विराग जतन करि, नहि पावत मुनि - ज्ञानी।
सो गति देते गीध, सबरी कहुँ, प्रभु न बहुत जिय जानी।
जो संपति दस सीस अरप करि, रावन सिव पहँ लीन्ही।
सो संपदा विभीषण कहँ अति सकुच सहित प्रभु दीन्ही।
तुलसीदास सब भाँति परम सुख, जो चाहसि मन मेरो।
तौ भजु राम, काम सब पूरन करै, कृपानिधि तेरो ।

विनय के पद- तुलसीदास

(i) तुलसीदास जी किस काल एवं शाखा के कवि थे ? उनकी भक्ति भावना पर प्रकाश डालिए। **[2]**

(ii) प्रस्तुत पद में 'गति' शब्द से क्या तात्पर्य है ? राम ने गीध और सबरी को यह गति कब प्रदान की थी ? **[2]**

(iii) विभीषण का परिचय दीजिए । राम ने उसे कौन - सी संपदा प्रदान कर अपनी उदारता दिखाई तथा उदारता दिखाते समय उनका भाव किस प्रकार का था ? **[3]**

(iv) पद की अंतिम दो पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए। **[3]**

Question 10

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow:—

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए:—

मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।
आगे-आगे नाचती गाती बयार चली,
दरवाज़े-खिड़कियाँ खुलने लगी गली-गली,
पाहुन ज्यों आए हो, गाँव में शहर के।
मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।
पेड़ झुक झाँकने लगे गरदन उचकाए,
आँधी चली, धूल भागी घाघरा उठाए,
बाँकी चितवन उठा नदी ठिठकी, घूँघट सरकाए
मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के ।

मेघ आए - सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

(i) मेघ कहाँ आए हैं और कब आए हैं ? **[2]**

(ii) बयार को किस का प्रतीक बताया गया है ? उसके आने पर गाँव वालों की क्या स्थिति थी ? **[2]**

(iii) पेड़, धूल भरी आँधी तथा नदी को किस-किस का प्रतीक बताया गया है ? समझाइए। **[3]**

(iv) प्रस्तुत कविता में किस अलंकार का प्रयोग किया गया है तथा जिस ऋतु के विषय में बताया गया है उसके विषय में चार पंक्तियाँ लिखिए। **[3]**

नया रास्ता - सुषमा अग्रवाल
NAYA RAASTA – SUSHMA AGARWAL

Question 11

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow:—

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए:—

लगभग एक सप्ताह यही क्रम चलता रहा। हर समय एक व्यक्ति उनके पास बैठा रहता । कभी माँ तो कभी मीनू, कभी रोहित तो कभी आशा। उन सबकी सेवा व ईश्वर के आशीर्वाद से पिताजी की दशा में काफ़ी सुधार हो गया। अब वे धीरे-धीरे अपने आप बैठने भी लगे थे, और थोड़ी देर बातें भी कर लेते थे। प्रात: लगभग नौ बजे का समय था। उस समय हल्की-हल्की वर्षा की बूँदें पड़ रही थीं। तभी घर के बाहर एक कार आकर रुकी।

(i) 'पिताजी' को क्या हुआ था? डॉक्टर ने उन्हें क्या सलाह दी थी ? **[2]**

(ii) कार से कौन आए थे और क्यों ? **[2]**

(iii) बुआ जी जाते-जाते अपने भैया को क्या-क्या सलाह दे गई? क्या उपर्युक्त अवसर पर उनकी यह सलाह उचित थी ? समझाइए। **[3]**

(iv) पिताजी द्वारा मीनू को शादी का सुझाव दिए जाने पर मीनू ने उन्हें क्या कहकर समझाया ? **[3]**

Question 12

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow:—

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए:—

"परंतु मैं तो इस पक्ष में ज़रा भी नहीं हूँ। हमारी भारत सरकार हमारी पढ़ाई पर कितना पैसा खर्च करती है और हम चंद पैसों के कारण विदेशों में जा कर बस जाएँ? यदि सभी बुद्धिजीवी विदेशों में जाकर बस जाएँगें तो हमारे देश की उन्नति किस प्रकार संभव हो सकेगी।"

(i) वक्ता इस समय किस से मिलने आई है? वक्ता के यहाँ आने का कारण भी बताइए। **[2]**

(ii) इस समय यहाँ किस व्यक्ति के विषय में और क्या बात की जा रही है जिसे सुनकर वक्ता ने यह सब कहा था ? **[2]**

(iii) प्रस्तुत पंक्तियों के आधार पर वक्ता के चरित्र की 'तीन' विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। **[3]**

(iv) विद्यार्थियों में अपने देश के बजाए विदेश में शिक्षा प्राप्त करने की बढ़ती चाह के कारण भविष्य में देश को किन-किन समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है ? समझाकर लिखिए। **[3]**

Question 13

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow:—

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए:–

"यह सब समय का फेर है, दीदी ! मेरे भाग्य में यही सब लिखा था । मुझे एक फैक्ट्री में नौकरी मिल गई थी। मैं अपने को बहुत खुशनसीब समझ रहा था कि मुझे इतनी छोटी उम्र में ही नौकरी मिल गई।"

(i) 'दीदी' कह कर किसे संबोधित किया गया है? वक्ता का संक्षिप्त परिचय दीजिए। **[2]**

(ii) 'समय का फेर' किसे कहा जा रहा है और इस समय के फेर से वक्ता पर क्या प्रभाव पड़ा था? **[2]**

(iii) 'दीदी' ने वक्ता की सहायता क्यों, कब और किस प्रकार से की थी? **[3]**

(iv) अवतरण में दी गई पंक्तियों के आधार पर उदाहरण सहित सिद्ध कीजिए कि मुसीबत में पड़े व्यक्ति की सहायता करना ही मनुष्य का सब से बड़ा धर्म और कर्तव्य होता है। **[3]**

एकांकी संचय
EKANKI SANCHAY

Question 14

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow:–

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए:–

"मुझे न जाने क्या हो रहा था । मेरा अंतर्मन काँपने लगा था; मैं उन्हें देखती थी तो जैसे मोहिनी - सी छा जाती थी । मैं थी भी और नहीं भी । मोहग्रस्त आदमी होता भी है और नहीं भी होता, पर हुआ यही, मैं वहाँ न ठहर सकी।"

संस्कार और भावना - विष्णु प्रभाकर

(i) किसका अंतर्मन कब काँपने लगा था? **[2]**

(ii) किन्हें देख कर वक्ता को मोहिनी-सी छा गई थी और क्यों? **[2]**

(iii) अंत में माँ का हृदय परिवर्तन कब, क्यों और किस प्रकार हुआ? **[3]**

(iv) 'संस्कारों की दासता' से आप क्या समझते हैं? आधुनिक युग में हमारे लिए संस्कार अधिक महत्त्वपूर्ण है या भावनाएँ ज़्यादा महत्त्व रखती हैं ? तर्क सहित उत्तर लिखिए। **[3]**

Question 15

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow:–

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिंदी** में लिखिए:–

'पश्चाताप तो तुम्हें होना चाहिए। मैं क्यों पश्चाताप करूँगा? मैंने ऐसा कौन-सा पाप किया है? मैनें अपने मन के भावों को गुप्त नहीं रखा, मैंने षड्यन्त्र नहीं किया, मैंने गुरूजनों का वध नहीं किया।'

महाभारत की एक साँझ-भारत भूषण अग्रवाल

(i) प्रस्तुत पंक्तियों के वक्ता और श्रोता का परिचय दीजिए। **[2]**

(ii) वक्ता पश्चाताप क्यों नहीं करना चाहता? वह अपने पक्ष में कौन-कौन से तर्क रखता है? **[2]**

(iii) आपके अनुसार पश्चाताप किसे होना चाहिए था? वक्ता को या श्रोता को तर्कसहित लिखिए। **[3]**

(iv) श्रोता वक्ता के पास क्यों आया था? अन्त में वक्ता का क्या हाल होता है और क्यों? **[3]**

Question 16

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow:–

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखें प्रश्नों के उत्तर **हिंदी** में लिखिए:–

"मुझे किसी ने बताया तक नहीं यदि कोई शिकायत थी तो उसे मिटा देना चाहिए था। हल्की-सी खरोंच भी, यदि उस पर तत्काल दवाई ना लगा दी जाए, तो बढ़कर एक बड़ा घाव बन जाती है और यही घाव नासूर हो जाता है, फिर लाख मरहम लगाओ ठीक नहीं होता।"

सूखी डाली - उपेंद्रनाथ अश्क

(i) कथन का वक्ता कौन है? उसका परिचय दीजिए। **[2]**

(ii) कथन का श्रोता कौन है? श्रोता ने ऐसा क्या कहा था कि वक्ता को उपर्युक्त बात कहनी पडी? **[2]**

(iii) 'नासूर' शब्द का अर्थ लिखकर बताइए कि इस समस्या के समाधान के लिए वक्ता के क्या विचार हैं? **[3]**

(iv) सूखी डाली एकांकी किस पृष्ठभूमि पर आधारित है? इसके शीर्षक की सार्थकता पर भी प्रकाश डालिए। **[3]**

❑❑❑

उत्तरमाला

SECTION-A

Answer 1.

(i) वर्षों पहले, अवकाश के समय में हम सपरिवार पहाड़ी क्षेत्र में घूमने निकले। यह सोचकर कि हम शांति और प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेंगे, हमने सोचा था कि यह यात्रा हमारे लिए एक आरामदायक अनुभव होगी। लेकिन जैसा कि कभी-कभी होता है, वास्तविकता अन्यथा साबित हुई। हम पहाड़ी के प्राकृतिक सौंदर्य को निहारते हुए चल रहे थे, अचानक हमारे सामने एक बड़ी भीड़ नज़र आई। यह अवकाश का समय था, और पर्यटकों की भीड़ बहुत ही अधिक थी।

पहाड़ी के मार्ग पर, हमें अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ा। पहली समस्या थी भीड़ और भीड़ में भटक जाना। इतनी भीड़ में बिछड़ जाने पर वापस मिलना काफ़ी मुश्किल था, और हमें मार्ग को खोजने में कई बार परेशानी हुई। दूसरी समस्या थी व्यवस्था की कमी। भीड़ ने स्थानीय व्यवस्थाओं को बर्बाद कर दिया गया था। खाने की व्यवस्था असंगठित थी और हमें लंबी लाइनों में खड़ा होकर इंतज़ार करना पड़ा। तीसरी और सबसे बड़ी समस्या थी संरक्षण की कमी। भीड़ में विशेष रूप से बच्चे और वृद्ध व्यक्ति को अपनी सुरक्षा की चिंता होती थी। हमें बार-बार सावधान रहने की आवश्यकता थी और खतरों से बचने के लिए सतर्क रहना पड़ा।

इस अनुभव ने हमें सिखाया कि शांतिपूर्ण अनुभव की तलाश में हमें ध्यान रखना चाहिए कि पर्यटन के माध्यम से हमें अपने पर्यावरण का सम्मान कैसे करना चाहिए। यह हमें विश्वास हुआ कि अक्सर वास्तविकता और सपने भिन्न होते हैं, और हमें उसे स्वीकार करना चाहिए और समाधान खोजना चाहिए।

(ii) तकनीकी विकास ने हमारे जीवन को सरल और सुगम बना दिया है। इसमें एक तकनीक का उपयोग करने का अद्वितीय महत्त्व है—व्यक्तिगत संचार उपकरण। आजकल, स्मार्टफ़ोन एवं इंटरनेट के प्रयोग से हम सभी बहुत जुड़े हुए हैं। ये उपकरण हमें बिना किसी दिक्कत के जानकारी प्राप्त करने, व्यावसायिक संपर्क स्थापित करने और आधुनिक जीवनशैली का आनंद लेने में मदद करते हैं। व्यक्तिगत संचार उपकरणों के उपयोग से हम लोग समय के खर्च को कम कर सकते हैं, क्योंकि अब हम गहराई से किसी भी जानकारी को सीधे अपने हाथों में प्राप्त कर सकते हैं। इससे न केवल हमारा समय बचता है, बल्कि हम अपने कार्यों को भी और अधिक प्रभावी ढंग से पूरा कर सकते हैं।

व्यक्तिगत संचार उपकरणों का उपयोग व्यवसायों और व्यावसायिक संगठनों के लिए भी महत्त्वपूर्ण है। ये उपकरण विभिन्न व्यापारिक कार्यों को सुगम बनाने में मदद करते हैं,

जैसे कि विपणन, बिक्री, और ग्राहक सेवा। इसके अलावा, व्यावसायिक संगठन इन उपकरणों का उपयोग करके अपने कार्य को सुदृढ़ बना सकते हैं और अपने उत्पादों या सेवाओं को अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचा सकते हैं।देश के विकास में, व्यक्तिगत संचार उपकरणों का अहम योगदान है। इन उपकरणों के उपयोग से लोग अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, अधिक व्यापारिक सम्बन्ध बना सकते हैं और अपने जीवन को सरल और सुगम बना सकते हैं। इससे सामाजिक, आर्थिक और तकनीकी दृष्टि से देश का विकास होता है। लोगों की जीवनशैली में भी सुधार होता है।

सम्पूर्ण, व्यक्तिगत संचार उपकरणों का विकास हमें संचार के क्षेत्र में एक नए दौर में ले जाता है, जो हमें आपसी सम्बन्धों को बनाए रखने और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करता है। इससे हमारे देश का विकास और प्रगति को बढ़ावा मिलता है।

(iii) महानगरों में बढ़ते शापिंग मॉलों का समृद्ध विकास आज के समय में एक महत्त्वपूर्ण विषय बन चुका है। इन मॉलों का उभरता हुआ प्रतिष्ठान व्यक्तिगत और व्यापारिक दोनों दिशाओं में है। इनके बनने का प्रमुख कारण तो हमारी यह चाह है कि हमें एक ही स्थान पर सभी सामान मिल जाए। हमें शापिंग मॉलों में निम्नलिखित सुविधाएँ मिलती हैं–

(क) विविधता और सुगमता:— शापिंग मॉल में विभिन्न ब्रांड्स के विभिन्न वस्त्र, उपहार, रसोईघर के सामग्री, खाद्य-पदार्थ, रंग-बिरंगे खिलौने आदि एक स्थान पर उपलब्ध होते हैं। यह हमें विविधता के आनंद लेने का अवसर प्रदान करता है और हमें एक स्थान पर सभी आवश्यकताओं को पूरा करने की सुगमता देता है।

(ख) मनोरंजन और आरामदायक वातावरण:— शापिंग मॉलों में समय बिताना आरामदायक होता है। यहाँ हमें अच्छी फ़िल्में, गेमिंग ज़ोन, और अन्य मनोरंजन सम्बन्धित सुविधाएँ मिलती हैं, जो हमारे और हमारे परिवार के साथियों के साथ समय बिताने का मज़ा देती हैं।

(ग) व्यक्तिगत संचार:— शापिंग मॉल एक सामाजिक स्थल के रूप में भी कार्य करते हैं, जहाँ लोग अपने दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताते हैं और उनके साथ संवाद करते हैं। जब मैं अपने परिवार के साथ किसी मॉल में घूमने जाता हूँ, तो सबसे अधिक मुझे वहाँ का मनोरंजन और विविधता पसंद आता है। हमें वहाँ विभिन्न ब्रांड्स की विविध वस्तुओं का चयन करने का मौका मिलता है, और हम वहाँ अपने चाहने वाले आइटम खरीदने का आनंद लेते हैं। वहाँ रेस्तरां और अच्छी गुणवत्ता के भोजन का भी आनंद लिया जाता है और आरामदायक वातावरण में मनोरंजन के लिए कई सुविधाएँ होती हैं।

मैं कल अपने परिवार के साथ सिटी मॉल घूमने गया वहाँ मुझे बच्चों के खिलौनों ने काफ़ी आकर्षित किया साथ ही बच्चों के कपड़ों ने भी। मैंने उस मॉल से बच्चों के खिलौने-कपड़े खरीदे।

(iv) अरे! ऐसा भी होता है क्या? यह कहानी है एक छोटे से गाँव की, जहाँ सबको अपनी पसंद की रोटी मिलती थी और लोगों का साथ भी बहुत प्यारा था। एक छोटी-सी बच्ची थी, नाम था गुड़िया। वह हमेशा किसी न किसी मस्ती में लगी रहती थी।

एक दिन गुड़िया के पिताजी ने उसे बताया कि उनके अच्छे दोस्त के शहर में एक बड़ा मेला आ रहा है। गुड़िया ने जब सुना तब उसकी आँखों में चमक आ गई। वह खुशी से नाचने लगी और अपने पिताजी से बड़ी उम्मीद से पूछी, क्या हम जा सकते हैं पिताजी? ''पिताजी ने हँसते हुए कहा, हाँ, बेटा, हम जा सकते हैं।'' गुड़िया ने खुशी से उछल-कूद करते हुए कहा, ''वाह! वहाँ मज़ा आएगा!''

मेले के दिन, गुड़िया और उसका परिवार मेले की धूमधाम में व्यस्त हो गए। वहाँ पहुँचकर उन्हें बड़ी खुशी हुई। लोग विभिन्न प्रकार के खेल-कूद और अन्य मनोरंजन का आनंद ले रहे थे। गुड़िया के नज़दीकी दोस्त उसे एक बड़ा रोलर कोस्टर देखाते हैं। गुड़िया ने उसे देखते ही बड़ी उत्सुकता से कहा, ''मुझे इसे चढ़ना है!'' उसके दोस्त हँसते हुए उसे बताते हैं, ''तू इस पर चढ़ नहीं सकती, गुड़िया! यह बहुत ही खतरनाक है।'' लेकिन गुड़िया को कोई मना नहीं कर सकता था। उसने उन्हें बड़े उत्साह से कहा, ''मुझे देखो, मैं इसे चढूँगी!''

गुड़िया ने रोलर कोस्टर की ऊँचाई पर चढ़कर उसका अनुभव किया। वह उत्साहित थी, लेकिन जब वह नीचे आ रही थी, तो उसका हृदय धड़कने लगा। वह डरी थी, लेकिन वह डर को नहीं दिखाना चाहती थी। गुड़िया के परिवार के सदस्य उसे देख रहे थे। वे उसे देखकर चिंतित हो गए और उसे नीचे आते हुए सहारा देने लगे। गुड़िया ने सहारा लेते हुए बोला, ''मैं ठीक हूँ। मुझे कुछ नहीं हुआ।'' वे सब जानते थे कि गुड़िया ने डर को पार किया है। सभी लोग अचंभित होकर बोल पेड़ कि अरे! ऐसा भी होता है क्या? कि कोई छोटी बच्ची रोलर कोस्टर की ऊँचाई से डरे न।

(v) सम्पूर्ण सृष्टि ही प्रकृति की गोद में बसी हुई है। समय-समय पर प्राकृतिक आपदाओं का आना-जाना भी लगा रहता है। इन्हीं प्राकृतिक आपदाओं में बाढ़ भी एक गंभीर प्राकृतिक आपदा है। जैसे अन्य प्राकृतिक आपदाओं से भारी जन-धन की हानि होती है उसी तरह बाढ़ से भी भारी नुकसान होता है। कभी-कभी अत्यधिक वर्षा होने से, नदियों में अधिक पानी बढ़ जाने से बाँध टूट जाते हैं। इस स्थिति में पानी की गति इतनी बढ़ जाती है कि मनुष्यों को सँभलने का मौका भी नहीं मिल पाता। हज़ारों फुट चौड़ी दीवार के बराबर पानी की परत जब उमड़ कर चलती है तो गाँव के गाँव और नगर के नगर नष्ट हो जाते हैं। पानी की इस विनाशलीला को ही बाढ़ कहते हैं। प्रत्येक कार्य के पीछे कोई न कोई कारण होता है। बाढ़ आने के पीछे भी ऐसे ही अनेक कारण हैं। वृक्षों की अन्धाधुन्ध कटाई इसका एक प्रमुख कारण है। मनुष्य अपनी आर्थिक, सामाजिक एवं दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु जंगल के जंगल काट कर रहा है। परिणामस्वरूप प्रकृति का सन्तुलन बिगड़ रहा है। पेड़ पानी का सन्तुलन बनाए रखने और अपनी जड़ों से पृथ्वी के नीचे से पानी खींच कर सूखे की स्थिति में भी पृथ्वी को गीली रखने में योगदान देते हैं। इससे वर्षा सन्तुलित होती है तथा बाढ़ नहीं आती।। इसका दूसरा कारण है कि बिजली उत्पन्न करने के लिए तथा जल भण्डारण हेतु बहती हुई नदियों पर बाँध बना दिए जाते हैं। ये बाँध धीरे-धीरे नदियों के जल के घर्षण से कमज़ोर हो जाते हैं तथा धीरे-धीरे टूट जाते हैं जिससे जलराशि तेज़ी से बहकर प्रलय का रूप धारण कर लेती है। जनसंख्या वृद्धि, बाढ़ के प्रकोप का एक अन्य प्रमुख कारण है। यदि भूमि पर अत्यधिक दबाव पडता है तो प्राकतिक आपदाएँ जैसे बाढ़, भूकम्प, सुनामी आदि की सम्भावना बढ़ जाती है। मौसम चक्र के अनायास परिवर्तन भी बाढ़ को आमन्त्रित करते हैं। अतिवृष्टि से उथली नदियों का जल भी विशाल रूप धारण कर लेता है। बाढ़ का प्रभाव अत्यन्त भयानक होता है। बाढ़ से फ़सलें नष्ट हो जाती हैं जिससे अकाल पड़ने की सम्भावना बढ़ जाती है। मनुष्यों द्वारा बनाए गए सुदृढ़ मकान आदि ध्वस्त हो जाते हैं। मनुष्य तथा पशु-पक्षी भी बेघर हो जाते हैं।

बाढ़ में जंगल, पहाड़, बस्तियाँ जल से भर जाती हैं। जीवजन्तु मरकर सड़ने लगते हैं। जल पूरी तरह प्रदूषित हो जाता है। सीलन व सड़न से जीवाणु उत्पन्न हो जाते हैं जिनसे अनेक प्रकार के रोग हो जाते हैं। चारों और महामारी फैल जाती है, अपार धन-जन की हानि होती है। वास्तव में बाढ़ प्रकृति की भयावह आपदा है। इससे बचने के लिए हमें हर सम्भव प्रयास करने चाहिए। सर्वप्रथम हमें पेड़ों की कटाई पर सख्ती से रोक लगानी चाहिए। सरकार ने भी इस ओर ध्यान दिया है। 'चिपको' आन्दोलन इसी प्रयास का परिणाम है। नदियों तथा तालाबों पर अतिक्रमण नहीं करना चाहिए। जल के भण्डारण के

लिए सुरक्षित प्रयास करने चाहिए। जल निकासी की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए। इन सावधानियों के चलते हम कुछ हद तक बाढ़ के प्रकोप से बच सकते हैं।

Answer 2.

(i) परीक्षा भवन
नई दिल्ली
दिनांक 21 मार्च, 20XX
प्रिय रमेश,
नमस्ते। मुझे खुशी है कि तुमने हाल ही में नए विद्यालय में प्रवेश लिया है। यह एक नया अनुभव होगा और मैं तुम्हें बधाई देता हूँ कि तुमने यह महत्त्वपूर्ण कदम उठाया।
मुझे दु:ख है कि तुम्हें कुछ पुराने विद्यार्थियों के कारण समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। यह जानकर दु:ख हुआ कि तुम्हें ऐसे विद्यार्थी परेशान कर रहे हैं किन्तु तुम चिंता मत करना।
मेरी सलाह है कि इस स्थिति का हिम्मतपूर्वक सामना करो। धैर्य और समझदारी के साथ अपने उद्देश्यों की ओर बढ़ो। किसी भी समस्या का सामना करना मुश्किल हो सकता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि तुम हार मानो। धैर्य और सहानुभूति से, तुम सभी समस्याओं का सामना कर सकते हो।
यदि तुम्हें किसी चीज़ की आवश्यकता हो या किसी सलाह की ज़रूरत हो, तो मुझसे संपर्क करना मत भूलना। मैं हमेशा तुम्हारे साथ हूँ और तुम्हारी मदद करने के लिए तैयार हूँ। मेरी शुभकामनाएँ तुम्हारे साथ हैं।
अपना ध्यान रखना,
तुम्हारा मित्र
मनोज

(ii) परीक्षा भवन
नई दिल्ली
दिनांक 21 मार्च, 20XX
शिक्षा विभाग
उत्तर प्रदेश
विषय: गाँव में स्थित विद्यालय की अव्यवस्थित स्थिति के सम्बन्ध में।
माननीय शिक्षा मंत्री जी,
मैं आलोक, कानपुर का निवासी हूँ। मैं आपको इस पत्र के माध्यम से एक महत्त्वपूर्ण और चिंताजनक मुद्दे के बारे में सूचित करना चाहता हूँ।
प्राथमिक विद्यालय जो हमारे गाँव में स्थित है, की वर्तमान स्थिति बहुत ही चिंताजनक है। यहाँ की शिक्षा और प्रशासनिक व्यवस्था में कई कमियाँ हैं जो विद्यार्थियों की शिक्षा को प्रभावित कर रही हैं।
कुछ मुख्य समस्याएँ निम्नलिखित हैं:—

1. अध्यापकों की कमी:— विद्यालय में अध्यापकों की कमी है जिससे पाठ्यक्रम समय पर पूरा नहीं हो पा रहा है और विद्यार्थियों को उनकी शिक्षा में गंभीर अभाव हो रहा है।
2. अध्यापन गुणवत्ता की कमी:— उन अध्यापकों की जो शारीरिक और मानसिक रूप से योग्यता नहीं रखते हैं, उन्हें नियुक्त किया जा रहा है, जिससे विद्यार्थियों की अध्ययन सामर्थ्य पर असर पड़ रहा है।
3. अध्यापन के साधनों की कमी:— विद्यालय में शिक्षा के लिए आवश्यक साधनों की कमी है, जैसे कि पुस्तकें, प्रयोगशाला सामग्री, और अध्यापन की सामग्री।
4. शैक्षिक प्रबंधन की कमी:— विद्यालय के प्रबंधन में व्यवस्था की कमी है, जो कि शिक्षा और प्रशासनिक कार्यक्रम को समर्थन प्रदान करने में असमर्थ है।

माननीय मंत्री जी, मैं आपसे अनुरोध करता हूँ कि आप इस मामले को गंभीरता से लेकर उचित कार्यवाही करें और हमारे गाँव में शिक्षा के स्तर को सुधारने में हमारी मदद करें। आशा है विद्यालय की स्थिति को सुधारने में आपका सक्रिय सहयोग हमें प्राप्त होगा।
आपसे शीघ्र कार्यवाही की अपेक्षा करते हुए।
धन्यवाद।
भवदीय
आलोक

Answer 3.

(i) कंबोडिया और लाओस दक्षिण पूर्वी एशिया में स्थित दो महत्त्वपूर्ण देश हैं। पहले इन दोनों देशों के आपसी सम्बन्ध बहुत अच्छे थे।
(ii) मीकांग नदी इन दोनों देशों (कंबोडिया और लाओस) के लिए बहुत महत्त्वपूर्ण थी क्योंकि उस नदी के पानी से ही उनकी फ़सलों की सिंचाई होती थी इसीलिए दोनों देशवासी उस नदी को पूजते भी थे।
(iii) एक दिन अचानक महात्मा बुद्ध उस स्थान पर पहुँच गए जहाँ कंबोडिया और लाओस दोनों देशों की सेनाएँ एक-दूसरे से लड़ने के लिए आमने-सामने खड़ी हो गईं थीं। वहाँ पहुँचकर महात्मा बुद्ध ने दोनों देशों के राजाओं, मंत्रियों और अन्य अधिकारियों को अपने पास समझाने के लिए बुलाया ताकि वे आपस में लड़ाई न करें।
(iv) अंत में कंबोडिया और लाओस दोनों देशों के बीच की समस्या को महात्मा बुद्ध ने अपनी समझदारी से उन्हें यह बताते हुए सुलझाया कि यह नदी दोनों देशों के लिए समान महत्त्व रखती है। साथ ही मनुष्यों का रक्त नदी के पानी से ज़्यादा महत्त्वपूर्ण है।
(v) इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि इस संसार की किसी भी समस्या का समाधान युद्ध नहीं है। शांति और अहिंसा के मार्ग पर चलकर हम विश्व का कल्याण कर सकते हैं क्योंकि युद्धों से सदैव अनेक प्रकार की हानि ही होती है।

Answer 4.

(i) (b) निराहार
व्याख्या:— आहार का विलोम निराहार होता है।
(ii) (c) दिवस-वार
व्याख्या:— दिन का पर्यायवाची दिवस और वार होता है।
(iii) (d) कमाई
व्याख्या:— कमाना का भाववाचक शब्द कमाई है।
(iv) (d) पथरीला
व्याख्या:— पत्थर शब्द का विशेषण पथरीला होता है।
(v) (b) पतिव्रता
व्याख्या: पतीवरता शब्द का शुद्ध रूप पतिव्रता है।
(vi) (d) बहुत कम अंतर होना
व्याख्या:— 'उन्नीस-बीस का अंतर होना' मुहावरे का अर्थ बहुत कम अंतर होना होता है।
(vii) (c) कई बार देश की रक्षा से जुड़े फैसले गोपनीय होते हैं।
व्याख्या:— 'गुप्त रखा जाना' वाक्यांश के लिए 'गोपनीय' शब्द प्रयुक्त होता है।
(viii) (b) दशा
व्याख्या:— रोगी की दिशा ठीक नहीं है। रेखांकित शब्द के स्थान पर दशा शब्द का प्रयोग उचित होगा। दशा शब्द अवस्था का बोध कराता है जबकि दिशा शब्द क्षितिज मंडल के चारों भागों का बोध कराता है।

SECTION-B

Answsr 5.

(i) 'मैंने' शब्द से लेखक की ओर संकेत किया गया है। वह इस समय नैनीताल में किसी सड़क के किनारे बेंच पर बैठा हुआ है।
(ii) 'काली-सी मूर्ति' एक गरीब लड़के की थी। गरीब लड़का नंगे पैर, नंगे सिर, गोरे रंग का है पर मैल-से काला पड़ गया है। आँखें अच्छी बड़ी हैं पर सूनी हैं।

(iii) बालक एक गाँव का रहने वाला था जो शहर से लगभग 15 कोस दूर था। उसने अपने तथा अपने परिवार के विषय में बताया कि वह कई भाई-बहन हैं। गाँव में पिता बेरोज़गार हैं जिस कारण परिवार के सदस्यों को भोजन भी नहीं मिल पाता। इसीलिए वह घर छोड़कर शहर भाग आया।

(iv) जैनेंद्र कुमार की कहानी 'अपना-अपना भाग्य' में लेखक ने सामाजिक विषमता का यथार्थ चित्रण किया है। इस कहानी में लेखक ने सामाजिक असमानता के प्रति तथाकथित बुद्धिजीवियों की उपेक्षापूर्ण उदासीनता एवं असमर्थता की मनोवृत्ति पर भी तीखा व्यंग्य किया है। प्रस्तुत कहानी में लेखक ने बताया है कि बालक की सहायता समय पर नहीं की जाती जिसके कारण वह मृत्यु को प्रांप्त हो जाता है। यदि उसे समय पर मदद मिल जाती तो वह समाज का एक ज़िम्मेदार नागरिक होने की भूमिका अदा करता।

Answer 6.

(i) उपर्युक्त कथन के वक्ता बेनी माधव सिंह जी हैं जो गौरीपुर गाँव के ज़मींदार और नंबरदार थे तथा श्रोता उनका बड़ा बेटा श्रीकांत सिंह जो ग्रेजुएट है और इलाहाबाद में नौकरी करता है।

(ii) 'इन भावों को ताड़ गए' कथन दोनों बेटों और बहू के बीच होने वाले झगड़े को सुनने आने वाले गाँव के लोगों के बारे में कहा गया है जो किसी-न-किसी बहाने बेनी माधव सिंह जी के घर आ रहे थे किंतु अनुभव की कमी और झल्लाने के कारण उनका बड़ा बेटा श्रीकांत नहीं समझ सका।

(iii) बेनी माधव सिंह जी के छोटे बेटे लाल बिहारी सिंह और उसकी भाभी आनंदी में घी को लेकर झगड़ा हो गया और वह झगड़ा इतना बढ़ गया कि लाल बिहारी ने खड़ाऊँ चलाकर मार दिया जिससे आनंदी का हाथ चोटिल हो गया। इसी अपराध पर वह पश्चाताप कर रहा था।

(iv) हाँ श्रोता (श्रीकांत) ने अपने छोटे भाई को माफ़ कर दिया। श्रीकांत का हृदय परिवर्तन आनंदी ने उसे समझा कर कराया कि भाई का प्रेम अमूल्य है।

Answer 7.

(i) प्रस्तुत पंक्तियाँ श्यामलकांत जी की पत्नी द्वारा अस्पताल से लौटने पर कही गई हैं।

(ii) श्रोता हरिद्वार गया था क्योंकि उसे अपने अभिन्न मित्र बाबू श्यामलकांत की लड़की के विवाह में शामिल होना था।

(iii) पाठ में वर्णित भीड़ का मुख्य कारण जनसंख्या वृद्धि है। जनसंख्या वृद्धि का प्रभाव पूरे देश पर पड़ता है। देश के प्राकृतिक साधन या दूसरे साधन सीमित होते हैं। अधिक जनसंख्या का प्रभाव इन साधनों पर पड़ता है। रहने के लिए मकानों की कमी पड़ जाती है। लोगों को खाने के लिए अनाज की कमी पड़ जाती है। देश में बेरोज़गारी बढ़ती जाती है। देश का उत्पादन जनता के भरण-पोषण में ही समाप्त हो जाता है। इसका प्रभाव देश की आर्थिक स्थिति पर पड़ता है। देश की अर्थव्यवस्था में समस्याएँ खड़ी हो जाती हैं। अस्वस्थ वातावरण, रेल और सड़क पर भीड़ के कारण दुर्घटनाएँ, जनता में अनुशासन की कमी, सार्वजनिक स्थानों पर नियम और व्यवस्था का पालन न होना आदि का प्रभाव देश पर पड़ता है।

(iv) इस भीड़ से बचने के लिए जनसंख्या पर नियंत्रण पाना अति आवश्यक है अन्यथा हम एक दिन इसी भीड़ में खो जाएँगे। लेखक अपने मित्र को इस भीड़ के रहस्य को इसलिए नहीं समझाना चाहते थे क्योंकि वे स्वयं इस विपदा को झेल रहे थे।

Answer 8.

(i) 'राही' कवि या कवि की भाँति अपनी मंज़िल की तलाश करने वालों के लिए प्रयुक्त हुआ है क्योंकि जो मंज़िल की तलाश में होते हैं वे लाभ-हानि, आशा-निराशा की चिंता किए बिना अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ते रहते हैं और उसे प्राप्त करते हैं।

(ii) कवि के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति को खोना-पाना, आशा-निराशा, हँसना-रोना आदि अनुभवों का सामना करना पड़ता है।

(iii) 'आठों याम' का अर्थ हर दिन, हर समय अर्थात् प्रतिक्षण होता है। कवि प्रत्येक क्षण यही प्रार्थना करते हैं कि उनकी मति की गति अवरुद्ध न हो।

(iv) जीवन में अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निरंतर चलते रहना आवश्यक है। यदि मनुष्य के दिल में लगातार चलने की चाह ही नहीं रहे तो इसके कई दुष्परिणाम हो सकते हैं। जैसे वह अपना लक्ष्य नहीं प्राप्त कर पाएगा, पूरे समय पछताता रहेगा और दूसरों के लिए अनुकरणीय नहीं हो पाएगा आदि।

Answer 9.

(i) तुलसीदास जी भक्तिकाल एवं सगुण शाखा के कवि थे। तुलसीदास जी राम के अनन्य भक्त थे। उन्हें हिंदी काव्य जगत का सूर्य कहा जाता है।

(ii) प्रस्तुत पद में 'गति' शब्द का तात्पर्य मोक्ष से है। राम ने गीध को उसके आत्मत्याग और शबरी की भक्ति भावना से प्रसन्न होकर उन्हें मोक्ष प्रदान किया था।

(iii) विभीषण रावण के भाई थे। प्रभु श्रीराम ने उन्हें लंका रूपी वह संपदा प्रदान की थी जिसे रावण ने कठिन तपस्या करके शिव से प्राप्त किया था। उस संपदा को देते समय श्री राम बहुत संकोच में थे कि मैंने इन्हें कुछ दिया ही नहीं।

(iv) तुलसीदास जी कहते हैं कि राम ही सबसे उदार हैं जिनकी आराधना से मोक्ष प्राप्त होता है अत: सकल सुख पाने की कामना जिसके मन में भी हो वह सुख से राम की आराधना करने से प्राप्त हो जाता है क्योंकि वे कृपा निधि हैं।

Answer 10.

(i) मेघ गाँव में उस समय आए जब सभी को यह विश्वास हो गया था कि इस वर्ष मेघ नहीं आएँगे।

(ii) बयार हवा का प्रतीक है उसके आने पर गाँव वाले खुशी से झूम उठते हैं और अपने-अपने दरवाज़े एवं खिड़कियों को खोलकर मेघ रूपी मेहमान का दर्शन करने को आतुर हो जाते हैं।

(iii) पेड़ गाँव के आम आदमी का प्रतीक है जो मेहमान को देखने के लिए उत्सुक रहता है। धूल भरी आँधी गाँव की छोटी लड़की की प्रतीक है। नदी विवाहिता स्त्री का प्रतीक है जो अभी भी पर्दा करती है।

(iv) प्रस्तुत कविता 'मेघ आए' में मानवीकरण अलंकार का प्रयोग किया गया है। कविता में वसंत ऋतु का वर्णन किया गया है। कविता में बताया गया है कि वसंत ऋतु में पर्वतों की चोटियों पर बर्फ़ पिघलने लगती है। खेतों और बागानों में नया जीवन आ जाता है और ताज़गी भर जाती है। फूल खिलने लगते हैं और धरती नए रंग में सज जाती है। कविता में कई तरह के प्रकृति तत्त्वों के बारे में बताया गया है जो वसंत के समय आते हैं।

Answer 11.

(i) पिताजी को दिल का दौरा पड़ा था जिस कारण डॉक्टर ने उन्हें आराम करने की सलाह दी थी।

(ii) कार से मीनू की बुआ जी और उनके घर के लोग मीनू के पिताजी को देखने के लिए आए थे क्योंकि मीनू के पिताजी को दिल का दौरा पड़ा था।

(iii) बुआ जी जाते-जाते अपने भाई को मीनू और आशा दोनों बेटियों की शादी कर देने की सलाह दे गई। इस अवसर पर ऐसी सलाह देना किसी भी तरह ठीक नहीं था क्योंकि मीनू के पिताजी अभी ठीक भी नहीं हुए थे और डॉक्टरों ने उनसे ऐसी बातें न करने की सलाह दी थी।

(iv) पिताजी द्वारा मीनू को शादी का सुझाव देने पर मीनू ने उन्हें यह कहकर समझाया कि अगर मैंने शादी कर ली तो मेरे वकालत का सपना अधूरा रह जाएगा और यह आपको भी अच्छा नहीं लगेगा। मीनू ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि वह अपने पैरों पर खड़ा होना चाहती थी।

Answer 12.

(i) वक्ता (मीनू) इस समय अपने बचपन की सहेली नीलिमा से मिलने आई है। मीनू की सहेली नीलिमा अपने ससुराल से वापस आई है। इसी कारण मीनू नीलिमा के पास आई है।

(ii) इस समय यहाँ नीलिमा के भाई अशोक के विषय में बात हो रही है क्योंकि वह डॉक्टरी पढ़कर अमेरिका चला गया है और वहीं रह रहा है। इसीलिए मीनू को उपर्युक्त बातें कहनी पड़ी।

(iii) प्रस्तुत पंक्तियों के आधार पर मीनू की चारित्रिक विशेषताएँ निम्नलिखित हैं–

(क) मीनू एक कुशल और साहसी वकील है। वह कड़क आवाज़ में अकाट्य तर्क प्रस्तुत करती है।

(ख) मीनू दृढ़ इच्छा शक्तिशाली है। वह समाज में व्याप्त रुढ़ियों के खिलाफ़ खड़ी होती है।

(ग) मीनू एक मजबूत और स्वतंत्र महिला है। वह जोखिम लेने से नहीं डरती और अपने विश्वास के लिए खड़ी होती है।

(घ) मीनू बाधाओं का सामना करने के बावजूद अपने सपनों को पूरा करने के लिए साहस और दृढ़ संकल्प रखती है।

(iv) विद्यार्थियों में अपने देश के बजाए विदेश में शिक्षा प्राप्त करने की चाह के कारण भविष्य में देश को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। जैसे–देश में अच्छे डॉक्टरों, अध्यापकों, इंजीनीयरों, वैज्ञानिकों, व्यापारियों की कमी हो जाएगी और देश गहरे संकट में डूब जाएगा।

Answer 13.

(i) 'दीदी' कहकर मीनू को संबोधित किया गया है। वक्ता (मनोहर) राजू का चचेरा भाई है।

(ii) 'समय का फेर' अच्छे और बुरे दिनों के आने-जाने को कहा गया है। समय के फेर से वक्ता के जीवन में एक तरफ़ नौकरी मिलने की खुशी आई तो दूसरी तरफ़ कंपनी में घायल हो जाने के कारण वह बेरोज़गार हो गया था।

(iii) 'दीदी' ने वक्ता (मनोहर) की सहायता उस समय की जब वह दिव्यांग हो गया था। मीनू के मन में दिव्यांगों के लिए हमेशा स्नेह का भाव रहा। मीनू ने अपनी शादी में होने वाले फिजूल खर्चे में से पाँच हज़ार रुपए बचाकर मनोहर के लिए एक पान की दुकान खुलवाकर उसकी सहायता की।

(iv) उपर्युक्त अवतरण में दी गई पंक्तियों के आधार पर मीनू ने अपनी शादी में होने वाले फिजूल खर्चे में से पाँच हज़ार रुपए बचाकर मनोहर के लिए एक पान की दुकान खुलवाकर उसकी सहायता की। इससे यह सिद्ध होता है कि मुसीबत में पड़े व्यक्ति की सहायता करना ही मनुष्य का सबसे बड़ा धर्म और कर्तव्य होता है।

Answer 14.

(i) उमा का अंतर्मन काँपने लगा क्योंकि उमा की भाभी ने उसे अतुल से दूर रहने वाली बात कही थी।

(ii) अतुल को देखकर वक्ता (उमा) को मोहिनी-सी छा गई थी क्योंकि वह उससे अत्यधिक स्नेह करती थी।

(iii) 'संस्कार और भावना' पाठ के मुताबिक, माँ का हृदय तब बदलता है जब माँ को पता लगा कि उसकी बड़ी बहू ने उसके बड़े बेटे अविनाश की बहुत सेवा की है और हैजा जैसी बीमारी से उसे बचा लिया है, तब उसका हृदय बदल जाता है और जब उसे पता चलता है कि अब अविनाश की बहू मरणासन्न है, तो बहू के प्रति ममता और स्नेह जागने के कारण वह अविनाश के यहाँ जाने को तैयार हो जाती है। तब वह कहती है, "वह निर्मम है, पर मैं माँ हूँ। मुझे निर्मम नहीं होना चाहिए। मैं उसके पास चलूँगी।"

इसके बाद, वातावरण में शांति और स्निग्धता आ जाती है। उमा को पुस्तक के वाक्य याद आ जाते हैं और वह फुसफुसाकर कहती है, "जिन बातों का हम प्राण देकर भी विरोध करने को तैयार रहते हैं, एक समय आता है, तब चाहे किसी कारण से भी हो, हम उन्हीं बातों को चुपचाप स्वीकार कर लेते हैं।"

(iv) 'संस्कारों की दासता' अर्थात पुरानी धर्मिक मान्यताओं में बंध कर जीवन व्यतीत करना। आधुनिक युग में हमारे लिए संस्कार से अधिक महत्त्वपूर्ण भावनाएँ है। लेकिन माँ अपने पुराने संस्कारों की दासता से मुक्त नहीं हो पाती। वह संक्रांति काल की नारी है और संस्कारों से बँधी है। वह प्राचीन रीति-रिवाज़ों से बाहर नहीं आ पाती। बड़े बेटे ने एक विजातीय बंगाली लड़की के साथ प्रेम-विवाह किया था। यही कारण है कि उसने अविनाश की पत्नी को अपनी बहू के रूप में स्वीकार नहीं किया और यही कारण था कि वह अपने बेटे से भी दूर हो गई। हमारे विचार में जाति, धर्म, क्षेत्रीयता अथवा प्राचीन संस्कार मानव-विरोधी नहीं हो सकते। अपने संस्कारों के नाम पर हमें अपनी संतान से दूर नहीं होना चाहिए।

Answer 15.

(i) प्रस्तुत पंक्तियों का वक्ता (दुर्योधन) है जो धृतराष्ट्र का पुत्र है और श्रोता (युधिष्ठिर) है जो पाँचों पांडवों में सबसे बड़े हैं जिन्हें धर्मराज के नाम से भी जाना जाता है।

(ii) वक्ता (दुर्योधन) पश्चाताप नहीं करना चाहता क्योंकि उसे लगता ही नहीं कि उसने कोई पाप किया है। वह अपने पक्ष में तर्क देता है कि मैंने अपने मन के भावों को गुप्त नहीं रखा, मैंने षड्यंत्र नहीं किया, मैंने अपने गुरुजनों का वध नहीं किया आदि।

(iii) मेरी दृष्टि में पश्चाताप वक्ता (दुर्योधन) को करना चाहिए था, न कि श्रोता युधिष्ठिर को क्योंकि महाभारत का युद्ध दुर्योधन और शकुनी के कारण ही हुआ था। शकुनी दुर्योधन का मामा था। अगर शकुनी न होता तो शायद महाभारत का युद्ध न होता और न कुरुक्षेत्र की धरा वीरों के लहू से लाल होती।

(iv) श्रोता (युधिष्ठिर) वक्ता (दुर्योधन) के पास उसे देखने के लिए आए थे और यदि वह किसी पीड़ा में हो तो उसकी पीड़ा को कम भी करना चाहते थे। अंत में युधिष्ठिर द्रवित हुए और उन्हें दुर्योधन की इस बात पर पश्चाताप हुआ जब उसने कहा कि यदि मेरे पिता अंधे नहीं होते तो मेरी यह दशा नहीं होती।

Answer 16.

(i) कथन के वक्ता दादा मूलराज हैं जो सदैव यह चाहते हैं कि उनका परिवार एक साथ संगठित होकर वट वृक्ष की भाँति रहे।

(ii) उपर्युक्त कथन का श्रोता दादा मूलराज का मँझला लड़का कर्मचंद है। उसने अपने पिता से कहा कि अब अपने इस परिवार रूपी पेड़ से एक डाली टूटकर अलग हो जाएगी। इसी बात पर दादाजी को पूरी बात कहनी पड़ी।

(iii) 'नासूर' एक ऐसा घाव होता है जिसमें से बराबर मवाद निकलता रहता है तथा जो कभी भरता नहीं है। इस समस्या के समाधान के लिए दादा ने बताया कि घृणा को घृणा से नहीं मिटाया जा सकता उसके लिए प्रेम आवश्यक है।

(iv) 'सूखी डाली' सुप्रसिद्ध एकांकीकार उपेन्द्रनाथ अश्क जी द्वारा लिखी एक पारिवारिक पृष्ठभूमि पर आधारित प्रसिद्ध एकांकी है। परिवार में सभी लोग मिल-जुल कर रह रहे हैं। परिवार में नए सदस्य के आ जाने के कारण से परिवार में हलचल मच जाती है। परिवार के मुखिया दादा जी ने परिवार को एकसूत्र में बाँध रखा है। वे वट वृक्ष की कहानी से प्रभावित हैं, जो अपनी डालियों को साथ रखने के लिए कुछ भी कर सकता है। डालियाँ साथ रहती हैं तो हरी-भरी रहती हैं। पेड़ से अलग होने के बाद वे सूख जाती हैं। उसका कोई वजूद नहीं रहता है। दादा जी की स्थिति भी महान् वट वृक्ष जैसी है। परिवार के सभी सदस्य उनकी बात मानते हैं लेकिन जब परिवार को साथ रखने की बात आती है तो वे सबको समझाते हैं और घर के सदस्य को अलग होने से रोकते हैं। वे अपनी किसी भी डाली को सूखने नहीं देना चाहते हैं। इस प्रकार सूखी डाली एकांकी का शीर्षक आरंभ से लेकर अंत तक सार्थक है।

❑❑❑